कर चले हम फ़िदा

पूर्व वर्षों के प्रश्नोत्तर
2016
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 1.

'कर चले हम फ़िदा' गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है?

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' यह गीत भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। जब चीन ने अरुणाचल प्रदेश (नार्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी, नेफ़ा) में भारतीय सीमा पर आक्रमण कर दिया था तब अनेक भारतीय सैनिकों ने लड़ते-लड़ते अपना बलिदान दिया था। इसी युद्ध को आधार बनाकर चेतन आनंद ने 'हकीकत' फ़िल्म बनाई थी। इस फ़िल्म में भारत-चीन युद्ध के यथार्थ को मार्मिकता के साथ दर्शाते हुए उसका परिचय जन सामान्य से करवाया गया था। इसी फ़िल्म के लिए प्रसिद्ध शायर कैफ़ी आज़मी ने 'कर चले हम फ़िदा' नामक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत यह मार्मिक गीत लिखा था।

लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 2.

'कर चले हम फ़िदा' गीत में कवि ने वीरों के प्राण छोड़ते समय का मार्मिक वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

1962 के भारत-चीन युद्ध में 'नेफ़ा' की ठिठुराने वाली बर्फ़ीली चोटियों पर घायल सैनिकों की साँसें निरंतर थमती चली जा रही थीं। ऊँचाई पर ऑक्सीजन की कमी से नब्ज़ रुकती जा रही थी, फिर भी वीर सैनिकों ने अपने बढ़ते हुए कदमों को रुकने नहीं दिया। अपने बाँकपन को, अपने जोश को कम नहीं होने दिया। मरते दम तक उनका यह बाँकपन बना रहा। उनके सिर भले ही कट गए पर उन्होंने भारतमाता का मस्तष्क झुकने नहीं दिया। अपनी शहादत से उन्होंने इस धरती को दुल्हन की तरह सजा दिया और मातृभूमि के लिए हँसते-हँसते मौत को गले लगा लिया।

दीर्घ उत्तरी प्रश्न

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 3.

'कर चले हम फ़िदा'– कविता में किस प्रकार की मृत्यु को अच्छा कहा गया है और क्यों? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है?

Answer:

'कर चले हम फ़िदा'– कविता में कवि ने उन सैनिकों की शहादत (बलिदान) को श्रेष्ठ कहा है, जिन्होंने देश-रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी, परंतु अपने देश का गौरव कम नहीं होने दिया, हिमालय का मस्तक झुकने नहीं दिया। लड़ते-लड़ते साँसे थमने पर, अत्यधिक ठंड से नब्ज़ तक जमने पर जिन्होंने अपने बाँकपन (जवानी का जोश) को कम नहीं होने दिया। कवि ने ऐसी मृत्यु को ही अच्छा कहा है जो देश के काम आए।

इस कविता के द्वारा कवि यह संदेश देना चाहते हैं कि देश की रक्षा करना हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य है। हमारे मन में यह भावना होनी चाहिए कि भले ही हमारा सिर कट जाए पर देश का सिर ऊँचा रहे। किसी भी शत्रु के अपवित्र कदम इस देश पर न पड़ पाएँ। हमारे अंदर इतनी शक्ति होनी चाहिए कि हम उसे उसके दुस्साहस का मज़ा चखा सकें। विदेशी ताकतों का सामना करने के लिए सीमाओं को सशक्त बनाने के लिए 'लक्ष्मण रेखा' जैसी मज़बूत सीमा तैयार करनी है, ताकि शत्रु देश में पाँव भी न रख पाएँ। यह देश हमारा है और हम सभी को इसकी रक्षा का दायित्व निभाना चाहिए।

Question 4.

'कर चले हम फ़िदा' गीत किस पृष्ठभूमि में लिखा गया? गीत का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' गीत सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। इस युद्ध में अनेक भारतीय सैनिकों ने भारत-चीन सीमा पर लड़ते-लड़ते अपना बलिदान दिया था। इसी युद्ध को आधार बनाकर चेतन आनंद ने 'हकीकत' फ़िल्म बनाई थी। इस फ़िल्म में भारत-चीन युद्ध के यथार्थ की मार्मिकता के साथ दर्शाते हुए उसका परिचय जन सामान्य से करवाया गया था। इसी फ़िल्म के लिए प्रसिद्ध शायर कैफ़ी आज़मी ने 'कर चले हम फ़िदा' नामक मार्मिक गीत लिखा था।

इस गीत में कवि ने उन सैनिकों के हृदय की आवाज़ को व्यक्त किया है, जिन्हें अपने देश के प्रति किए गए हर कार्य, हर कदम, हर बलिदान पर गर्व है। इसलिए इन्हें प्रत्येक देशवासी से कुछ अपेक्षाएँ हैं कि उनके इस संसार से विदा होने के पश्चात वे देश की आन, बान व शान पर आँच नहीं आने देंगे, बल्कि समय आने पर अपना बलिदान देकर देश की रक्षा करेंगे।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 5.

'कर चले हम फ़िदा' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

'कर चले हम फ़िदा' कविता 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह कविता फ़िल्म 'हकीकत' के लिए लिखी गई है। कवि कैफ़ी आज़मी ने प्रस्तुत गीत के माध्यम से उन सैनिकों के हृदय की आवाज़ को शब्द दिए हैं, जिन्होंने देश-रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। उन सैनिकों ने देश का गौरव कम नहीं होने दिया। हिमालय का मस्तक, उसकी आन-बान-शान कम नहीं होने दी। लड़ते-लड़ते साँसें थमने पर, अत्यधिक ठंड से नब्ज़ तक जमने पर जिन्होंने अपने बाँकपन (जवानी के जोश) को कम न होने दिया। वे सैनिक अपने साथी सैनिकों और देशवासियों से भी ऐसे ही समर्पण की आशा रखते हैं। देशवासियों को भी अपने सुखों और निजी स्वार्थों को छोड़कर देश की रक्षा के लिए सिर पर कफ़न बाँधकर तैयार हो जाना चाहिए। भारत-माता सीता के समान पवित्र है। कोई भी रावण अर्थात शत्रु उसके दामन को छू न सके। इसकी पवित्रता को खंडित न कर सके। देशवासियों को राम-लक्ष्मण के समान वीरता दिखानी पड़ेगी। भारतवर्ष की रक्षा करनी होगी।

Question 6.

'कर चले हम फ़िदा' कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह कविता फ़िल्म 'हकीकत' के लिए लिखी गई है। कवि कैफ़ी आज़मी ने प्रस्तुत गीत के माध्यम से उन सैनिकों के हृदय की आवाज़ को शब्द दिए हैं, जिन्होंने देश-रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। उन सैनिकों ने देश का गौरव कम नहीं होने दिया। हिमालय का मस्तक, उसकी आन-बान-शान कम नहीं होने दी। लड़ते-लड़ते साँसें थमने पर, अत्यधिक ठंड से नब्ज़ तक जमने पर जिन्होंने अपने बाँकपन (जवानी के जोश) को कम न होने दिया। वे सैनिक अपने साथी सैनिकों और देशवासियों से भी ऐसे ही समर्पण की आशा रखते हैं। देशवासियों को भी अपने सुखों और निजी स्वार्थों को छोड़कर देश की रक्षा के लिए सिर पर कफ़न बाँधकर तैयार हो जाना चाहिए। भारत-माता सीता के समान पवित्र है। कोई भी रावण अर्थात शत्रु उसके दामन को छू न सके। इसकी पवित्रता को खंडित न कर सके। देशवासियों को राम-लक्ष्मण के समान वीरता दिखानी पड़ेगी। भारतवर्ष की रक्षा करनी होगी।

2015
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 7.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने धरती को दुलहन की संज्ञा दी है क्योंकि देश की रक्षा करते हुए, शहीद हुए सैनिकों के खून से धरती का रंग सुर्ख लाल हो गया, जो किसी नवविवाहिता (दुलहन) के जोड़े का होता है। सैनिकों ने इस धरती को अपना रक्त देकर दुलहन की तरह शृंगार किया है।

लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 8.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों?

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग अपने साथी सैनिकों के लिए तथा संपूर्ण देशवासियों के लिए किया है। देश के लिए बलिदान देने वाले ये सैनिक अपने साथी सैनिकों तथा देशवासियों से यह अपेक्षा करते हैं कि वे उनके बलिदान का मूल्य समझते हुए निरंतर देशहित में लगे रहें, ताकि उनका बलिदान व्यर्थ न जाए।

दीर्घ उत्तरी प्रश्न

Question 9.

'कर चले हम फ़िदा' कविता पाठक के मन को छू जाती है। आपके मत में इसके क्या कारण हो सकते हैं? लिखिए।

Answer:

लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 10.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में 'साथियो' सम्बोधन किनके लिए किया गया है और उनसे क्या अपेक्षा की गई है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग अपने साथी सैनिकों तथा देशवासियों के लिए किया है। देश के लिए बलिदान देने वाले ये सैनिक अपने साथी सैनिकों तथा देशवासियों से यह अपेक्षा करते हैं कि वे उनके बलिदान का मूल्य समझते हुए निरंतर देशहित में लगे रहें, ताकि उनका बलिदान व्यर्थ न जाए।

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 11.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) 'राह कुर्बानियों की न वीरान हो'– का क्या तात्पर्य है?

(क) सैनिक सोच-समझकर आगे बढ़ें
(ख) सैनिक देश के बारे में सोचते रहें
(ग) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे
(घ) बलिदानी सैनिक आगे बढ़ने की सोच में रहें

(ii) सैनिक किसे सजाने के लिए कहते हैं?

(क) देश की कुर्बानियों को
(ख) जश्न मनाने वालों को
(ग) भारतमाता को
(घ) बलिदानी सैनिकों के जत्थों को

(iii) 'फ़तह का जश्न' से तात्पर्य है

(क) आगे बढ़ने की खुशियाँ
(ख) मृत्यु की खुशी
(ग) जीत जाने की खुशियाँ
(घ) जीत की खुशियाँ

(iv) 'सिर पर कफ़न बाँधने' का किस ओर संकेत है?

(क) सिर बचाने की ओर
(ख) देश पर बलिदान की ओर
(ग) सिर पर मुकुट बाँधने की ओर
(घ) जीवित रहने की ओर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(v) **'काफ़िले' शब्द का अर्थ है–**

(क) कायरों का गिरोह (ख) वीरों का समुदाय

(ग) बलिदानियों का झुंड (घ) यात्रियों का समूह

Answer:

(i) (ग) बलिदानी सैनिकों की परंपरा बनी रहे (ii) (घ) बलिदानी सैनिकों के जत्थों को

(iii) (घ) जीत की खुशियाँ (iv) (ख) देश पर बलिदान की ओर

(v) (ग) बलिदानियों का झुंड

Question 12.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

खींच दो अपने खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने न पाए रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) **काव्यांश की पृष्ठभूमि में कौन-सी ऐतिहासिक घटना है?**

(क) भारत-पाक युद्ध (ख) भारत-चीन युद्ध

(ग) भारत-बांग्लादेश युद्ध (घ) भारतीय स्वाधीनता संग्राम

(ii) **'खूँ से ज़मी पर लकीर' खींचने का आशय है**

(क) सीमाओं पर रक्तपात करना (ख) दुश्मन पर हमला करना

(ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना (घ) मातृभूमि की रक्षा को तत्पर रहना

(iii) **'रावण' का प्रतीकार्थ है**

(क) भारत का शत्रु (ख) आक्रमणकारी

(ग) राम का विरोधी (घ) देशद्रोही

(iv) **'सीता का दामन' से तात्पर्य है**

(क) देश का स्वाभिमान (ख) देवी-देवताओं की मर्यादा

(ग) भारतीय सांस्कृतिक परंपरा (घ) मातृभूमि का सम्मान

(v) **'राम भी तुम तुम्हीं लक्ष्मण साथियो' कथन से कवि का संकेत है**

(क) तुम्हें युद्ध भी करना है और रक्षा भी

(ख) तुम्हें राम भी बनना है और लक्ष्मण भी

(ग) तुम्हें भारतीयता को भी बनाना है और सीमाओं को भी

(घ) तुम्हें नारी के सम्मान की भी रक्षा करनी है और मर्यादा की भी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (ख) भारत-चीन युद्ध
(*ii*) (ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना
(*iii*) (क) भारत के शत्रु
(*iv*) (घ) मातृभूमि का सम्मान
(*v*) (ग) तुम्हें भारतीयता को भी बनाना है और सीमाओं को भी

2013
लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 13.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन किसके लिए किया है? और किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने को कहा है?

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने 'साथियो' संबोधन समस्त देशवासियों के लिए प्रयोग किया है तथा देश के गौरव और स्वाभिमान की रक्षा के लिए बलिदान के काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है।

Question 14.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ रखी हैं? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने देशवासियों से ये अपेक्षाएँ रखी हैं कि वे बलिदानी सैनिक के हृदय की आवाज़ को सुनें और देश के लिए पूरी तरह समर्पण करने की चाह मन में लेकर उसकी रक्षा करने का वचन लें। वे बलिदान के काफ़िले को सूना न होने दें क्योंकि ऐसा करने से दुश्मन अपने नापाक इरादों में कामयाब हो सकता है। कवि देशवासियों से यह भी अपेक्षा करता है कि वह राष्ट्र रूपी सीता के लिए राम और लक्ष्मण बन जाएँ और देश को बुरी नज़र से देखने वाले को छठी का दूध याद दिलवा दें। यद्यपि आज का जीवन केवल अपने तक सिमटकर रह गया है, तथापि यह कहना गलत न होगा कि हम भारतवासी आज इन अपेक्षाओं को पूरा करने में पीछे नहीं हट रहे हैं। आज भी जब-जब देश पर कोई विपत्ति आती है, तब-तब पूरा देश संगठित होकर उसका सामना करने में पीछे नहीं हटता।

Question 15.

'कर चले हम फ़िदा' कविता में ज़मीन में खून की रेखा खींचने का क्या तात्पर्य है और 'रावण' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया गया है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में ज़मीन पर खून की रेखा खींचने का तात्पर्य देश के दुश्मनों से देश की रक्षा के लिए पूरी तरह समर्पित रहने से है। यह रेखा बलिदान की चाह की प्रतीक है। यहाँ 'रावण' शब्द देश के शत्रुओं के लिए प्रयुक्त किया गया है। सार यह है कि जिस प्रकार लक्ष्मण जी ने सीता माँ की रक्षा के लिए रेखा खींची थी, उसी प्रकार देशवासी अपनी राष्ट्र रूपी सीता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें।

2012
लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 16.

'अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो' कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए।

Answer:

इस कविता के माध्यम से देशभक्त और बलिदानी सैनिकों ने देशप्रेम, त्याग और बलिदान का संदेश दिया है। कवि आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का संदेश देना चाहता है।

Question 17.

'कर चले हम फ़िदा' में कवि हमें क्या संदेश दे रहा है? स्पष्ट कीजिए।

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता के द्वारा कवि यह संदेश देना चाहता है कि भारत के लोगों में, आने वाली पीढ़ियों के मन में देशभक्ति, देशप्रेम, त्याग व बलिदान की भावना जागृत हो। अपने देश के शहीद वीरों व देश के सपूतों का उदाहरण देते हुए कवि भारतवासियों के मन में साहस, वीरता एवं मातृभूमि के प्रति प्रेम की भावना जगाने का प्रयास किया है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 18.

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर, पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

खींच दो अपने ख़ूँ खूँ से ज़मीं पर लकीर
इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे
छू न पाए सीता का दामन कोई
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) **ज़मीन पर ख़ून की रेखा खींचने का तात्पर्य है–**

(क) अपने ख़ून से धरती को सींचना
(ख) हिंसा और मारकाट मचाना
(ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना
(घ) खून की नदी बहाना

(ii) **कविता में रावण किसका प्रतीक है?**

(क) बुराइयों का
(ख) राक्षसों का
(ग) गद्दारों का
(घ) शत्रुओं का

(iii) **'सीता का दामन' का आशय है–**

(क) देश की आन-बान
(ख) देश की शान
(ग) देश का सम्मान
(घ) देश की सीमा

(iv) **देशवासियों को राम-लक्ष्मण कहा गया है, क्योंकि–**

(क) सब देश की रक्षा में लगे हैं
(ख) सबको देश की रक्षा करनी है
(ग) सब परस्पर भाई हैं
(घ) सबके हाथों में देश सुरक्षित है

(v) **'साथियो' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?**

(क) देशवासियों के लिए
(ख) सैनिकों के लिए
(ग) युद्धक्षेत्र में लड़ने वालों के लिए
(घ) शत्रुओं के लिए ०

Answer:

(ग) बलिदान देकर भी शत्रु को रोकना
(ii) (घ) शत्रुओं का
(ग) देश का सम्मान
(iv) (ख) सबको देश की रक्षा करनी है
(क) देशवासियों के लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Question 19.

निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) 'कुर्बानियों की राह कौन-सी है?

(क) देश की भलाई की राह
(ख) बलिदानी देशभक्तों की राह
(ग) देश की प्रगति की राह
(घ) राष्ट्रनायकों की राह

(ii) 'नए काफ़िले' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(क) तीर्थयात्रियों की टोली।
(ख) युद्ध के लिए तैयार सैनिकों की टोली।
(ग) नए बलिदानी देशभक्तों की टोली।
(घ) युद्ध का प्रशिक्षण पाए गए नए सैनिकों की टोली।

(iii) कविता की किस पंक्ति में जीवन और मृत्यु का मिलन कहा गया है?

(क) बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो।
(ख) तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले।
(ग) फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है।
(घ) ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले।

(iv) 'सर पर कफ़न बाँधने' का अर्थ है–

(क) बलिदान के लिए उद्यत रहना।
(ख) युद्ध के लिए प्रस्तुत रहना।
(ग) सीमा पर चौकस रहना।
(घ) देश से प्रेम करना।

(v) जीत का जश्न किस जश्न के बाद होगा?

(क) युद्ध के
(ख) बलिदान के
(ग) आज़ादी के
(घ) किसी त्योहार के

Answer:

(i) (ख) बलिदानी देशभक्तों की राह
(ii) (ग) नए बलिदानी देशभक्तों की टोली।
(iii) (घ) ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले।
(iv) (क) बलिदान के लिए उद्यत रहना
(v) (ग) आज़ादी के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2011
अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 20.

'कर चले हम फ़िदा'– कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने धरती को दुलहन की संज्ञा दी है क्योंकि देश की रक्षा करते हुए, शहीद हुए सैनिकों के खून से धरती का रंग सुर्ख लाल हो गया, जो किसी नवविवाहिता (दुलहन) के जोड़े का होता है। सैनिकों ने इस धरती को अपना रक्त देकर दुलहन की तरह शृंगार किया है।

लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 21.

"कर चले हम फ़िदा"– कविता में कवि ने किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने के लिए कहा है? क्यों?

Answer:

इस कविता में काफ़िले शब्द का प्रयोग उन देश प्रेमियों के लिए किया गया है जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना बलिदान हँसते-हँसते दे देते हैं। कवि की अपेक्षा यह है कि ऐसे वीर सपूतों का जन्म बार-बार होगा और अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्राणों का उत्सर्ग देने वाले सैनिकों को काफ़िला यूँही सजता रहेगा। इसी आशा से कवि ने इस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने को कहा है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 22.

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर,
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुसवा करे
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुलहन, साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(i) 'साथियो' किन्हें कहा गया है?

(क) भारतीयों को
(ख) वीर सैनिकों को
(ग) सहपाठियों को
(घ) नेताओं को

(ii) किसके लिए जान देने की ऋतु रोज़ नहीं आती?

(क) प्यार के लिए
(ख) मित्र के लिए
(ग) देश के लिए
(घ) धर्म के लिए

(iii) बलिदान न देने वाला यौवन किन्हें बदनाम करता है?

(क) पुरुष और नारी को
(ख) सुंदरता और प्रेम को
(ग) आलसी और मेहनती को
(घ) दुष्टता और सज्जनता को

(iv) कैसी जवानी को व्यर्थ माना जाता है?

(क) जो अपनी बहादुरी दूसरों को न दिखाए
(ख) जो दूसरों को न सताए
(ग) जो ज़बरदस्ती किसी का धन न छीने
(घ) जो देश के लिए खून न बहाए

(v) धरती क्या बनी हुई है?

(क) उदास औरत
(ख) नवेली दुलहन
(ग) पानी से भरी नदी
(घ) सैनिकों की माँ

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Answer:

(*i*) (ख) वीर सैनिकों को
(*ii*) (ग) देश के लिए
(*iii*) (ख) सुंदरता और प्रेम को
(*iv*) (घ) जो देश के लिए खून न बहाए
(*v*) (ख) नवेली दुलहन

2010
लाघुत्तरात्मक प्रश्न

Question 23.

'आज धरती बनी है दुल्हन, साथियो' इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में क्या कहना चाहता है?

Answer:

'आज धरती बनी है दुल्हन, साथियो' इस पंक्ति से कवि धरती के बारे में कहना चाहता है कि वह वीरों के लहू का लाल जोड़ा पहन कर दुल्हन बन गई है। अब वीर सैनिकों का यह पावन कर्तव्य है कि वे उसकी लाज की रक्षा करें। उसे दुश्मनों के हाथ न जाने दें।

Question 24.

'कर चले हम फ़िदा' कविता से कवि देशवासियों को क्या संदेश देना चाहता है? अपने शब्दों में लिखिए।

Answer:

'कर चले हम फ़िदा' कविता 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह कविता फ़िल्म 'हकीकत' के लिए लिखी गई है। कवि कैफ़ी आज़मी ने प्रस्तुत गीत के माध्यम से उन सैनिकों के हृदय की आवाज़ को शब्द दिए हैं, जिन्होंने देश-रक्षा के लिए हँसते-हँसते अपने प्राणों की बाज़ी लगा दी थी। उन सैनिकों ने देश का गौरव कम नहीं होने दिया। हिमालय का मस्तक, उसकी आन-बान-शान कम नहीं होने दी। लड़ते-लड़ते साँसें थमने पर, अत्यधिक ठंड से नब्ज़ तक जमने पर जिन्होंने अपने बाँकपन (जवानी के जोश) को कम न होने दिया। वे सैनिक अपने साथी सैनिकों और देशवासियों से भी ऐसे ही समर्पण की आशा रखते हैं। देशवासियों को भी अपने सुखों और निजी स्वार्थों को छोड़कर देश की रक्षा के लिए सिर पर कफ़न बाँधकर तैयार हो जाना चाहिए। भारत-माता सीता के समान पवित्र है। कोई भी रावण अर्थात शत्रु उसके दामन को छू न सके। इसकी पवित्रता को खंडित न कर सके। देशवासियों को राम-लक्ष्मण के समान वीरता दिखानी पड़ेगी। भारतवर्ष की रक्षा करनी होगी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

Question 25.

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–

राह कुर्बानियों की न वीरान हो
तुम सजाते ही रहना नए काफ़िले
फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है
ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले
बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) कौन, किससे अपेक्षा कर रहा है?

(ख) कवि किनकी राहें वीरान नहीं होने की बात कहता है?

(ग) "ज़िंदगी मौत से मिल रही है गले" से कवि का क्या तात्पर्य है?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए–

बाँध लो अपने सर से कफ़न साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

Answer:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(क) शहादत के करीब खड़े वीर सैनिक अपने जाँबाज़ सैनिक साथियों व समस्त देशवासियों से यह अपेक्षा कर रहे हैं कि वे देश के लिए कुर्बानियों की राह को नित नए काफ़िलों से सजाते रहें और उनके बलिदान को व्यर्थ न जाने दें।

(ख) कवि कुर्बानियों की राहें वीरान नहीं होने की बात कर रहे हैं।

(ग) इस पंक्ति से कवि का तात्पर्य यह है कि उन जाँबाज़ सैनिकों ने देश के सीमाओं की शत्रु से रक्षा करते हुए अपने जीवन की बलि चढ़ा दी। शत्रुओं से युद्ध करते हुए वे स्वेच्छा से मौत को स्वीकार करने जा रहे हैं। लड़ते-लड़ते उनकी साँसें थमने लगी हैं, खून जमने लगा है। वे स्वयं अनुभव कर रहे हैं कि उनकी जिंदगी अब मौत का वरण करने वाली है।

(घ) 'सर पर कफ़न बाँधना' का अर्थ होता है– बलिदान के लिए तत्पर रहना। यह गीत शहादत के करीब खड़े सैनिकों के दिल की आवाज़ है, जिसमें वे अपने सैनिक साथियों तथा देशवासियों से आह्वान कर रहे हैं कि वे उनके बाद देश की रक्षा समर्पित होकर करें। इस पंक्ति के माध्यम से सैनिक यह भी कहना चाहते हैं कि वे तो अपने प्राणों से प्रिय देश पर अपने प्राण न्योछावार करके जा रहे हैं, किंतु दुश्मन को अपने नापाक इरादों में कामयाब होने से रोकने के लिए उनकें सैनिक साथी ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देशवासी बलिदान के लिए तत्पर रहें क्योंकि अपनी मातृभूमि पर बलिदान होने की यह पवित्र भावना ही देश के दुश्मनों से देश की हिफ़ाज़त कर सकती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in